Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 05 May 2024

Dainik Jagran Page - 04

छात्र संख्या के आधार पर शिक्षकों का संतुलन बनाएगा गोवि

छात्र-शिक्षक अनुपात बनाने के लिए शिक्षक पदों के पुनर्वितरण की हो रही तैयारी, तीन साल का देखेंगे प्रवेश रिकार्ड

गोरखपुर विश्वविद्यालय • जागरण

अध्ययन-अध्यापन की प्रणाली और परिस्थितियां काफी बदली है। ... शिक्षक पदों का वितरण पहले की तरह है। इससे अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था सुचारु रूप से चलाने में दिक्कत आ रही है। इसे देखते हुए हम शिक्षक पदों के पुनर्वितरण पर विचार कर रहे हैं। जल्द कमेटी गठित कर इसकी प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।
प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

अधिक मांग वाले विषयों में ही होगी शिक्षक भर्ती: विश्वविद्यालय प्रशासन जल्द शिक्षक भर्ती शुरू करने की तैयारी में है। इसके लिए विभागवार डाटा तैयार किया जा रहा।

आज होने वाली तीन विषयों की परीक्षाएं स्थगित

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय व सम्बद्ध कालेजों में चल रही परीक्षाओं के बीच पांच मई को होने वाली तीन विषयों की परीक्षाएं विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग ने स्थगित कर दी गई है। परीक्षा नियंत्रक डा. कुलदीप सिंह ने बताया कि बीएससी तृतीय वर्ष के गणित और वनस्पति विज्ञान प्रथम प्रश्नपत्र की परीक्षाएं अब 13 मई को दोपहर 1 से 4 बजे तक होंगी। बीए द्वितीय सेमेस्टर मनोविज्ञान कोड की परीक्षा अब 19 मई को दोपहर बाद दो से 3:30 बजे तक होंगी। (जासं)

बिना नेट वाले पीएचडी का अंतिम अवसर

एमबीए विद्यार्थियों ने जाने करियर के विकल्प

गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन विभाग में शनिवार को 'नेविगेटिंग करियर आफ्टर एमबीए' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। ... अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अनुभूति दुबे ने बताया कि करियर काउंसलिंग विद्यार्थियों को अपना करियर शुरू करने, बदलने या आगे बढ़ाने में मदद करती है।

Amar Ujala Page - 05, 07

कम विद्यार्थी वाले विभागों में शिक्षकों की भर्ती नहीं

एकेडमिक ऑडिट के बाद गोरखपुर विश्वविद्यालय बना रहा योजना, खाली पदों का डाटा तैयार किया जा रहा

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। छात्र-शिक्षक अनुपात को दुरुस्त करके पठन-पाठन की व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने की सोच से दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय एक नई पहल करने जा रहा है।

अब जिस विभाग में विद्यार्थियों की संख्या कम रहेगी उसमें नए शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होगी। उसके पदों को उन विभागों में ट्रांसफर किया जाएगा, जिसमें विद्यार्थियों की मांग ज्यादा है। विश्वविद्यालय इसके लिए प्रस्ताव तैयार कर जल्द ही शासन को स्वीकृति के लिए भेजेगा।

विश्वविद्यालय में कुछ विभाग ऐसे हैं जिसमें छात्रों की संख्या काफी कम है। प्रवेश ... संघर्ष करना पड़ता है। दर्शनशास्त्र, संस्कृत, रक्षा अध्ययन, इलेक्ट्रॉनिक्स, पर्यावरण व पत्रकारिता में पिछले तीन साल से सीटें जल्दी नहीं भर रहीं।

वहीं, कुछ विषय ऐसे भी हैं जिनकी सीटें पहली या दूसरी काउंसिलिंग में भर जाती हैं। इसमें राजनीति विज्ञान, इतिहास, भूगोल, अंग्रेजी, मनोविज्ञान और समाजशास्त्र जैसे विषय शामिल हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन जल्द ही शिक्षकों की भर्ती शुरू करने जा रहा है। इसके लिए विभागवार खाली पदों का डाटा तैयार किया जा रहा है। चुनाव संपन्न होने के बाद पद इसकी विज्ञप्ति जारी की जाएगी।

पिछले तीन साल का देखा जाएगा ट्रैक रिकॉर्ड

स्थापना के 74 वर्ष बाद पहली बार विश्वविद्यालय शिक्षकों के पद वितरण की नए सिरे से तैयारी कर रहा है। इसके लिए एक कमेटी का गठन किया जा रहा है, जो प्रवेश की मांग को लेकर विषयवार मूल्यांकन करेगी। मूल्यांकन के दौरान पिछले तीन सालों का प्रवेश रिकॉर्ड देखा जाएगा। उसके आधार पर कमेटी शिक्षक पदों के विभागवार ट्रांसफर का प्रस्ताव तैयार करेगी। जिस विषय में शिक्षक ज्यादा हैं और छात्र कम, उनमें यूजीसी के मानक के अनुसार 25 छात्र पर एक शिक्षक का मानक बनाकर अतिरिक्त शिक्षकों को उन विभागों में स्थानांतरित करने का प्रस्ताव करेगी। शासन से इस प्रस्ताव को स्वीकृति मिलते ही विश्वविद्यालय में लागू कर दिया जाएगा।

पहले की तुलना में अब शिक्षा व्यवस्था में काफी बदलाव आया है। कई विषय ऐसे हैं, जिनकी मांग बहुत कम हो गई है। वहीं कई ऐसे हैं जिनकी मांग बढ़ी है। शिक्षक पदों का वितरण पहले की तरह होने की वजह से अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था सुचारू रूप से चलाने में दिक्कत आ रही है। इसको लेकर शिक्षक पदों के पुनर्वितरण पर विचार किया जा रहा है। जल्द कमेटी बनाकर इसकी प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।
प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, गोरखपुर विश्वविद्यालय

आज होने वाली तीन विषयों की परीक्षाएं स्थगित

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों में चल रही परीक्षाओं के बीच पांच मई को होने वाली तीन विषयों की परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि बीएससी तृतीय वर्ष के गणित और वनस्पति विज्ञान प्रथम प्रश्नपत्र की परीक्षाएं अब 13 मई को दोपहर एक से चार बजे तक होंगी। बीए द्वितीय सेमेस्टर मनोविज्ञान कोड (पीएसवाई 104) की परीक्षा अब 19 मई को दोपहर 2 से 3:30 बजे तक होगी। संवाद

डीडीयू : एमबीए छात्रों ने जाने करिअर के अवसर

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन विभाग में शनिवार को "नेविगेटिंग कॅरियर ऑफ्टर एमबीए" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के पूर्व अधिष्ठाता एवं अध्यक्ष प्रो. एके तिवारी ने मुख्य वक्ता के रूप में एमबीए करने के बाद विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कॅरियर अवसरों को सामने रखा और उन पर विचार साझा किए।

प्रो. तिवारी ने बताया कि विद्यार्थियों को अपनी इच्छाओं और सपनों को पूरा करने के लिए विभिन्न कॅरियर विकल्पों पर विचार कर, अप्रयुक्त क्षमता वाले क्षेत्रों तथा उद्योगों के रुझान की पहचान कर कॅरियर का चुनाव करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को नवाचारी उद्यमियों के प्रयासों से उत्पन्न होने वाले विभिन्न नए क्षेत्रों में अपने कॅरियर तलाशने की भी सलाह दी। संवाद

Rashtriya Sahara Page - 04,05

माड्यूल से सम्बन्धित सभी डाटा जल्द दें समन्वयक : कुलपति

- समर्थ पोर्टल की लान्च करने की तैयारी को बैठक संपन्न
- सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारी से संबंधित जानकारी एक क्लिक पर होगी उपलब्ध

विश्वविद्यालय में बैठक करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन।

गोविवि. शोध-छात्रों को देगा संस्थागत पहचान

गोरखपुर (एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय अपने शोध-छात्रों के हित में संस्थागत ई-मेल की सुविधा प्रदान करेगा। कुलपति प्रो. पूनम टण्डन के निर्देश पर विश्वविद्यालय में शोधरत सभी छात्र-छात्राएं इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

विश्वविद्यालय ने बीते दिनों गूगल वर्कस्पेस की एजुकेशन सेवाओं के तहत विश्वविद्यालय में कार्यरत सभी शिक्षकों एवं अधिकारियों को संस्थागत ई-मेल उपलब्ध कराया था। अब यही सुविधा शोध-छात्रों के लिए भी शुरू की जाएगी। बहुत से प्रतिष्ठित जर्नल्स ने शोध-पत्रों में संस्थागत ईमेल को प्राथमिकता देते हैं। इसके अतिरिक्त संस्थागत ईमेल के माध्यम से शोध से सम्बन्धित कई सामग्रियों एवं संसाधनों की सुविधा मुफ्त में मिलती है। इस मामले में डा. अम्बरीश कुमार श्रीवास्तव वेबसाईट प्रभारी ने बताया कि इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए, शोध-छात्रों को वेबसाईट पर उपलब्ध आवेदन-पत्र भरकर एवं उसे अपने विभागाध्यक्ष अथवा शोध-पर्यवेक्षक से अग्रसारित कराकर जमा करना होगा। उसके बाद उनको संस्थागत ई-मेल प्रदान कर दी जाएगी।

शोधकार्यों को विवि. के नाम से जोड़ सकेंगे छात्र: प्रो. पूनम टंडन

इस मामले में कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि शोध-छात्रों को संस्थागत ई-मेल मिलने से ना सिर्फ उन्हें विश्वविद्यालय की पहचान मिलेगी बल्कि वे अपने शोध-कार्यों को विश्वविद्यालय के नाम से सीधे जोड़ सकेंगे।

परीक्षा की तिथि बदली संशोधित समय सारिणी जारी

गोरखपुर (एसएनबी)। विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में सेमेस्टर वार्षिक प्रणाली सत्र 2023-24 के अन्तर्गत बीएससी भाग तीन गणित, वनस्पति विज्ञान प्रथम प्रश्नपत्र एवं बीए द्वितीय सेमेस्टर मनोविज्ञान पेपर कोड पीएसवाई 104 की परीक्षा 05 मई 2024 को निर्धारित थी। जो अब संशोधित वार्षिक परीक्षा समय सारणी के अनुसार बीएस-सी भाग तीन गणित/वनस्पति विज्ञान-प्रथम प्रश्नपत्र 13 मई 2024 को सम्पन्न होगी जिसका समय दोपहर 1 बजे से 04 बजे तक रहेगा। इसके अलावा 19 मई 2024 को पीएसवाई104 बेसिक रिसर्च मैथेडोलॉजी एंड स्टैटिक्स का समय दोपहर 2 से सायं 3.30 बजे तक रहेगा।

इसके अलावा रविवार (05 मई 2024) को होनेवाली परीक्षाएं अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न होंगी। यह जानकारी परीक्षा नियंत्रक ने दी।

साधना का मार्ग है नाथ योग : प्रो. संतोष शुक्ल

- गोरक्षनाथ शोधपीठ में नाथ योग पर हुआ आनलाईन व्याख्यान

गोरखपुर (एसएनबी)। नाथ योग साधना का मार्ग है। नाथ योग का चरम लक्ष्य अलख निरंजन है। मन की स्थिरता के बिना मोक्ष नहीं हो सकता। अमनस्क होने पर ही हम संबोध व अलख निरंजन को सिद्ध कर सकते हैं।

यह बातें प्रो. संतोष कुमार शुक्ल जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के संस्कृत एवं प्राच्य ...

शुभारम्भ कार्यक्रम समन्वयक डॉ. कुशलनाथ मिश्र के द्वारा प्रस्ताविकी के साथ किया गया। गोरखबानी एवं गोरखनाथ के संस्कृत साहित्य के आधार पर नाथ योग के तत्वों की व्याख्यायित किया। संचालन डा. सुनील कुमार ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सोनल सिंह द्वारा किया गया।

डीडीयू में संरचनात्मक समीकरण माडलिंग लेक्चर संपन्न

कारण बताओ नोटिस

श्री अतुल कुमार भारतीय, पुत्र श्री बृजेश मोहन, निवासी 374/288/106, अल्लापुर, इलाहाबाद-211006 एवं श्री गिरीश कृष्ण पाण्डेय पुत्र स्व. हरे कृष्ण पाण्डेय, ग्राम-भटगावां, पोस्ट-गौरा बाजार, जनपद-सिद्धार्थनगर-272189, जो विश्वविद्यालय के केन्द्रीय ग्रन्थालय में बुक अटेन्डेन्ट एवं बुक बाइन्डर के पद पर नियुक्त है तथा बिना किसी पूर्व सूचना के दीर्घकाल से अनधिकृत रूप से सेवा से अनुपस्थित चल रहे है। उक्त दोनों व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि विश्वविद्यालय के कुलसचिव कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी अनुपस्थिति के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें, अन्यथा की स्थिति में नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।
कुलसचिव

Hindustan Page 02 , 05

यूजीसी के फरमान के बाद अब बिना नेट नहीं दे पाएंगे 'रेट'

बिना 'नेट' पीएचडी करने का इस बार अंतिम मौका

डीडीयू

- सत्र 2023 की परीक्षा ड्यू होने के कारण अभ्यर्थियों को मौका
- यूजीसी के नए दिशा निर्देश सत्र 2024 से सभी विवि में लागू
- नेट क्वालीफाई नहीं हैं वे छात्र सत्र 2023 की रेट में कर सकेंगे आवेदन

शोध पात्रता परीक्षा के लिए ब्रोशर और फॉर्म तैयार है। सीटें भी कैटेगरीवार विभाजित कर ली गई हैं। अगले हफ्ते से प्रवेश की प्रक्रिया शुरू होगी।
- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में शोध पात्रता परीक्षा-2023 के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया अगले हफ्ते से शुरू होगी। इस बीच अभ्यर्थियों को लेकर अहम खबर आई है। यदि किसी अभ्यर्थी ने नेट क्वालीफाई नहीं किया है तो यह उनके आवेदन के लिए अंतिम मौका होगा। अगले सत्र से जो अभ्यर्थी नेट क्वालीफाई किए होंगे, वे ही 'रेट' के आवेदन के लिए अर्ह होंगे।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने इसे लेकर आदेश पहले ही जारी कर दिया है। डीडीयू समेत देश के सभी विश्वविद्यालयों में सत्र 2024 से यह आदेश लागू होना है। डीडीयू में रेट-2023 निरस्त होने के कारण वहां सम्बंधित अभ्यर्थियों के लिए अंतिम मौका बचा हुआ है।

स्थापना दिवस पर आयोजित हुए विविध कार्यक्रम

गोरखपुर। राजकीय बौद्ध संग्रहालय में शनिवार को एकदिवसीय संग्रहालय का 38वां स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि डीडीयू की कुलपति प्रो पूनम टंडन मौजूद रहीं। कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले अतिथियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान कर्नल राजेश कौंडल, मेजर लक्ष्य प्रताप सिंह, डॉ. रूप कुमार बनर्जी, डॉ. जितेन्द्र कुमार, दीप्ति अनुराग मौजूद रहे।

आज होने वाली तीन विषयों की परीक्षाएं स्थगित

गोरखपुर। डीडीयू और सम्बद्ध कॉलेजों में चल रही परीक्षाओं के बीच 5 मई को होने वाली तीन विषयों की परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ कुलदीप सिंह ने बताया कि बीएससी तृतीय वर्ष के गणित और वनस्पति विज्ञान प्रथम प्रश्नपत्र की परीक्षाएं अब 13 मई को दोपहर 1 से 4 बजे तक होंगी। बीए द्वितीय सेमेस्टर मनोविज्ञान कोड (पीएसवाई 104) की परीक्षा अब 19 मई को दोपहर 2 से 3:30 बजे तक होंगी।

लक्ष्य में आने वाली बाधाओं को दूर कर बनाएं रणनीति

गोरखपुर। डीडीयू के व्यवसाय प्रशासन विभाग में शनिवार को 'नेविगेटिंग कॅरियर ऑफ्टर एमबीए' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। बुद्धा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गीडा के डीन कॉमर्स एंड मैनेजमेंट प्रो. एके तिवारी ने बतौर मुख्य वक्ता एमबीए के बाद विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डीडीयू की डीएसडब्ल्यू प्रो. अनुभूति दुबे ने कहा कि करियर काउंसलिंग विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने में मदद करती है।

डीडीयू में छात्रों और शिक्षकों का अनुपात होगा संतुलित

Swatantra Chetna Page 02 , 05

कुलपति ने की समर्थ पोर्टल की तैयारी की समीक्षा

विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारी से संबंधित जानकारी एक क्लिक पर होगी उपलब्ध

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने समर्थ पोर्टल की तैयारी की एक समीक्षा बैठक विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन की कमेटी हॉल में की।

इस बैठक में समर्थ पोर्टल के सभी मॉड्यूल्स के समन्वयकों के साथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव, प्रवेश प्रकोष्ठ के समन्वयक, परीक्षा नियंत्रक सहित तमाम अधिकारी एवं कर्मचारी गण मौजूद रहे।

समर्थ एक ईआरपी (एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग) पोर्टल है जो उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्रों, शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए प्रवेश, परीक्षा प्रक्रियाओं, पेरोल, भर्ती, पदोन्नति, अवकाश प्रबंधन और अन्य मॉड्यूल को एक प्लेटफार्म पर एकीकृत करता है।

कुलपति ने सभी समन्वयकों को कहा कि वो अपने मॉड्यूल से संबंधित सभी डाटा जल्द से जल्द उपलब्ध कराए जिससे यह पोर्टल लॉन्च किया जा सके।

कुलपति ने कहा की इससे पेपरलेस कार्य होगा, सभी विद्यार्थियों के दस्तावेज ऑनलाइन उपलब्ध होंगे, सभी फाइलों की ऑनलाइन ट्रैकिंग की जा सकेगी, विद्यार्थियों से संबंधित सभी गतिविधियों की ऑनलाइन जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

कुलपति ने कहा कि इससे विद्यार्थियों को विशेष सुविधा होगी तथा तमाम प्रक्रियाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार पर रोक लगेगी। इस पोर्टल से बेहतर सूचना प्रबंधन के माध्यम से उत्पादकता बढ़ाने की प्रक्रियाओं का स्वचालन होगा। प्रशासनिक प्रक्रियाओं को परिभाषित और नियंत्रित करने के लिए डिजिटल तकनीकों का लाभ उठाना, छात्रों, कर्मचारियों और अन्य हितधारकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की निर्बाध डिलीवरी, संचालन, प्रबंधन और सुशासन की सर्वोत्तम प्रथाओं और कुशल प्रक्रियाओं को विकसित, निर्बाध तरीके से प्रौद्योगिकी और शिक्षा वितरण का एकीकरण इस पोर्टल के लाभ है।

गो.वि.वि. देगा शोध-छात्रों को संस्थागत पहचान

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर शोध-छात्रों के हित में गोरखपुर विश्वविद्यालय ने संस्थागत ई-मेल की सुविधा प्रदान करेगा। कुलपति प्रो. पूनम टण्डन के निर्देश पर विश्वविद्यालय में शोधरत सभी छात्र-छात्राएँ इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। गौरतलब है कि ... कहा कि इसके तहत विश्वविद्यालय में कार्यरत सभी शिक्षकों एवं अधिकारियों को संस्थागत ई-मेल उपलब्ध करायी जा चुकी है। अब यही सुविधा शोध-छात्रों के लिए भी शुरू की जाएगी।

बहुत से प्रतिष्ठित जर्नल्स ने शोध-पत्रों में संस्थागत ईमेल को ... विश्वविद्यालय की पहचान मिलेगी बल्कि वे अपने शोध-कार्यों को विश्वविद्यालय के नाम से सीधे जोड़ सकेंगे। इसका फायदा छात्र एवं विश्वविद्यालय दोनों को मिलेगा।

वेबसाइट प्रभारी डॉक्टर अंबरीश का कहना है कि इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए ...

Swatantra Bharat

लक्ष्य के मार्ग में आने वाली बाधाओं को पहचानें छात्र

स्वतंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन विभाग में शनिवार को 'नेविगेटिंग कॅरियर आफ्टर एमबीए' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

बुद्धा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गीडा के के डीन कॉमर्स एंड मैनेजमेंट प्रो. एके तिवारी ने बतौर मुख्य वक्ता एमबीए के बाद विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि विद्यार्थियों को लक्ष्य यथार्थवादी हो और उन लक्ष्यों के मार्ग में आने वाली बाधाओं की पहचान कर उन्हें दूर करने के लिए रणनीति बनानी चाहिए। विद्यार्थियों को यह लक्ष्य अपनी क्षमता, कौशल, शिक्षा और अनुभव का आकलन करके ही निर्धारित करना चाहिए। आवश्यकतानुसार उन्हें बदलने के लिए भी तैयार रहना चाहिए।

डीडीयू की डीएसडब्ल्यू प्रो. अनुभूति दूबे ने कहा कि करियर काउंसलिंग विद्यार्थियों को अपना करियर शुरू करने, बदलने या आगे बढ़ाने में मदद करती है। साक्षात्कार की तैयारी, सुदृढ़ बायोडाटा विद्यार्थियों की सफलता के लिए जरूरी है। प्लेसमेंट एंड करियर सेल के समन्वयक प्रो. आलोक गोयल ने स्थानीय उद्योगों की वर्तमान जरूरतों और आवश्यकताओं को समझने और उसे पूरा करने के बारे में सुझाव दिया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. श्रीवर्धन पाठक, समन्वयक प्रो. अनिल यादव, शुभम चौहान, सिमरन उपाध्याय सहित कई अन्य कर्मचारी आदि मौजूद रहे।

बिना 'नेट' पीएचडी करने का इस बार अंतिम मौका

यूजीसी के नए निर्देश से सभी विवि में लागू, नेट क्वालीफाई नहीं हैं वे रेट में कर सकेंगे आवेदन

स्वतंत्र भारत संवाददाता

यूजीसी के फरमान के बाद अब बिना नेट नहीं दे पाएंगे 'रेट'
सत्र 2023 की परीक्षा ड्यू होने के कारण मिला को मौका

शोध पात्रता परीक्षा के लिए ब्रोशर और फॉर्म तैयार है। सीटें भी कैटेगरीवार विभाजित कर ली गई हैं। अगले हफ्ते से प्रवेश की प्रक्रिया शुरू होगी।
- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में शोध पात्रता परीक्षा-2023 के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया अगले हफ्ते से शुरू होगी। इस बीच अभ्यर्थियों को लेकर अहम खबर ...

Amar Ujala Select Page - 04

जिस विभाग में कम विद्यार्थी उसमें नहीं होगी नियुक्ति

एकेडमिक ऑडिट के बाद गोरखपुर विश्वविद्यालय बना रहा योजना

गोरखपुर। छात्र-शिक्षक अनुपात को दुरुस्त करके पठन-पाठन की व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने की सोच से दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय एक नई पहल करने जा रहा है। अब जिस विभाग में विद्यार्थियों की संख्या कम रहेगी उसमें नए शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होगी। उसके पदों को उन विभागों में ट्रांसफर किया जाएगा, जिसमें विद्यार्थियों की मांग ज्यादा है। विश्वविद्यालय इसके लिए प्रस्ताव तैयार कर जल्द ही शासन को स्वीकृति के लिए भेजेगा।

विश्वविद्यालय में कुछ विभाग ऐसे हैं जिसमें छात्रों की संख्या काफी कम है। प्रवेश के समय इसकी सीटों को भरने में काफी संघर्ष करना पड़ता है। दर्शनशास्त्र, संस्कृत, रक्षा अध्ययन, इलेक्ट्रॉनिक्स, पर्यावरण व पत्रकारिता में पिछले तीन साल से सीटें जल्दी नहीं भर रहीं। वहीं, कुछ विषय ऐसे भी हैं जिनकी सीटें पहली या दूसरी काउंसिलिंग में भर जाती हैं। इसमें राजनीति विज्ञान, इतिहास, भूगोल, अंग्रेजी, मनोविज्ञान और समाजशास्त्र जैसे विषय शामिल हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन जल्द ही शिक्षकों की भर्ती शुरू करने जा रहा है। इसके लिए विभागवार खाली पदों का डाटा तैयार किया जा रहा है। चुनाव संपन्न होने के बाद पद इसकी विज्ञप्ति जारी की जाएगी। इसमें उन्हीं विभागों में भर्ती होगी जिनके विषयों की मांग ज्यादा है।

"पहले की तुलना में अब शिक्षा व्यवस्था में काफी बदलाव आया है। कई विषय ऐसे है, जिनकी मांग बहुत कम हो गई है। वहीं कई ऐसे हैं जिनकी मांग बढ़ी है। शिक्षक पदों का वितरण पहले की तरह होने की वजह से अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था सुचारू रूप से चलाने में दिक्कत आ रही है। इसको लेकर शिक्षक पदों के पुनर्वितरण पर विचार किया जा रहा है। जल्द कमेटी बनाकर इसकी प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। -प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, गोरखपुर विश्वविद्यालय

पिछले तीन साल का देखा जाएगा ट्रैक रिकॉर्ड : स्थापना के 74 वर्ष बाद पहली बार विश्वविद्यालय शिक्षकों के पद वितरण की नए सिरे से तैयारी कर रहा है। इसके लिए एक कमेटी का गठन किया जा रहा है।

एमबीए छात्रों ने जाने कॅरियर अवसर

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन विभाग में शनिवार को 'नेविगेटिंग कॅरियर ऑफ्टर एमबीए' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। ...